कत्लखाने ले जा रहे मवेशियों को जीवनदान

पुलिस ने नाकाबंदी कर जब्त किया 7.70 लाख का माल

संवाददाता, 13 मई

मोर्शी– माल ढुलाई करने वाले बोलेरो वाहन में 8 मवेशियों को ठूस कर भरते हुए कत्लखाने की ओर ले जाते समय मोर्शी पुलिस ने नाकाबंदी कर वाहन पकड़ने में सफलता पाई है. 8 बैल, बोलेरो गाड़ी सहित कुल मिलाकर 7 लाख 70 हजार रु. का माल जब्त किया गया. शुक्रवार, 13 मई की सुबह 7 बजे यह कार्रवाई की गई. मध्यप्रदेश में मोर्शी मार्ग से हो रही मवेशियों की तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है. बोलेरो पिकअप वाहन में गोवंश वरुड़-मोर्शी मार्ग से कत्लखाने ले जाने की गुप्त खबर मोर्शी पुलिस को प्राप्त हुई. उसके अनुसार पुलिस ने स्थानीय जयस्तंभ चौक में नाकाबंदी कर वरुड़ से आने वाली गाड़ियों पर नजर रखी. कुछ समय में वरुड़ से आता हुआ बोलेरा पिकअप वाहन एमएच 37/ 0594 आता हुआ देखकर पुलिस ने उसे रोका. वाहन चालक ने अपना नाम अ. सादिक शेख उमर (24, मनबा, तह. कारंजा जि. वाशिम) बताया. बोलेरो वाहन हरे नेट के कपड़े से पूरा पैक किया हुआ था. पुलिस ने अंदर क्या है, ऐसा पूछने पर वाहन चालक ने संतोषजनक जवाब नहीं दिए. पंचों के समक्ष पुलिस ने वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में 8 बैल मुंह व पैर बांधकर निर्दयता से भरे हुए दिखाई दिए. मोर्शी के पुलिस थानेदार श्रीराम लांबाड़े व उनकी टीम ने मवेशियों को बाहर निकालकर गोरक्षण में भर्ती किया गया.

वाहन पुलिस थाने में जमा कर वाहन चालक को कब्जे में लिया. मोर्शी पुलिस ने कत्ल के लिए मवेशियों को ले जाने का अपराध दर्ज किया. इससे पूर्व भी मवेशियों की तस्करी करने वाला वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से वह पुलिस के हाथ लगा. उसके बाद अवैध तरीके से गोवंश को ले जा रही जायलो गाड़ी नादुरूस्त होने से वह दूसरे वाहन से बांधकर ले जा रहे थे. अचानक जयस्तंभ चौक में रस्सी टूटने से गाड़ी वहीं पर रुकी. नागरिकों ने अंदर झांककर देखा तो वाहन में 8 गाय दिखाई देने पर कार्रवाई की गई. रोजाना हो रही गोवंश तस्करी पर लगाम कसने में पुलिस नाकाम साबित हुई है.संपूर्ण राज्य में गोहत्याबंदी कानून लागू रहते हुए भी वरुड़-मोर्शी मार्ग से अवैध तस्करी जारी है.

इस मार्ग से टाटा सूमो, जायलो, तवेरा जैसी गाड़ियों की सीट निकालकर मवेशियों को इंजेक्शन देकर बेहोश करते हुए इस गाड़ी में भरकर मवेशियों की तस्करी की जाती है.इस पर नियंत्रण करना आवश्यक है. शुक्रवार की यह कार्रवाई पुलिस अधिकारी डॉ. निलेश पांडे के मार्गदर्शन में थानेदार श्रीराम लांबाड़े, पीआई स्वप्निल ठाकरे, पीएसआई विजय लेव्हरकर, हे.कां. संदीप वानखड़े, विष्णु पवार, रुपेश गावंडे ने की. वाहन का लाइसेंस निलंबित करने का प्रस्ताव आरटीओ को भेजा जाएगा, ऐसी जानकारी श्रीराम लांबाड़े ने दी.

मेलघाट में व्याघ्र गणना 16 को

350 मचानों का निर्माण, पर्यटकों में अपार उत्साह

एक मचान पर एक पर्यटक, एक अधिकारी

जिन 350 मचानों पर व्याघ्र गणना हो रही है. वहां एक मचान पर केवल एक पर्यटक और उसके साथ एक वन कर्मचारी को रखा जाएगा. इन दोनों के लिए रात्रि भोजन की व्यवस्था मचान पर ही की गई है.

16 की सुबह बोर्डिंग पर पहुंचेंगे पर्यटक

16 मई की रात मेलघाट के सभी 350 मचानों पर व्याघ्र गणना होगी. इस कारण गणना में शामिल सभी पर्यटकों को सुबह ही बोर्डिंग पर पहुंचना होगा. वहां उनके लिए सुबह के भोजन की व्यवस्था की गई है. उसके बाद सभी 350 पर्यटकों को मचान तक वनविभाग के वाहन से पहुंचाया जाएगा.

संवाददाता, 13 मई

धारणी,– हर वर्ष बुद्ध पूर्णिमा की रात मेलघाट में व्याघ्र गणना की जाती है. इस समय दो वर्ष बाद पर्यटकों को व्याघ्र गणना में समावेश किया जा रहा है. इस कारण व्याघ्र गणना को लेकर पर्यटकों में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है. व्याघ्र गणना के लिए मेलघाट में नैसर्गिक और कृत्रिम इस तरह कुल 350 वन तालाब बनाए गए हैं. इन वन तालाबों के पास मचान बांधकर यह व्याघ्र गणना हो रही है. व्याघ्र गणना की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. सभी 350 मचानों पर व्याघ्र गणना के लिए पर्यटक और स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ताओं का आरक्षण भी पूर्ण हो चुका है.कोरोना महामारी के चलते पिछले दो वर्ष तक मेलघाट में व्याघ्र गणना तो हुई थी, लेकिन कोरोना निर्बंधों के चलते व्याघ्र गणना में पर्यटकों को समाविष्ट नहीं किया गया था. मेलघाट में बनाए गए मचानों पर केवल वनविभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के माध्यम से यह व्याघ्र गणना की गई थी, किंतु इस वर्ष मेलघाट में 16 मई की रात कुल 350 मचानों से व्याघ्र गणना होगी. वनविभाग (व्याघ्र) विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार व्याघ्र गणना के लिए मेलघाट में 350 नैसर्गिक और कृत्रिम वनतालाब बनाए गए हैं. इन तालाबों में पानी के लिए सोलर पंप और टैंकर से पानी की व्यवस्था की गई है. व्याघ्र गणना के लिए 321 पर्यटक और 45 सामाजिक संस्था के प्रतिनिधियों का आरक्षण भी पूर्ण हुआ है. व्याघ्र गणना के लिए प्रति पर्यटक 750 रु. शुल्क लेकर उन्हें इस गणना में शामिल किया जा रहा है. व्याघ्र गणना में शामिल होने वाले पर्यटकों को 16 मई को सुबह का भोजन और रात में मचान पर पैकफूड व पानी के कैन की व्यवस्था की गई है. बोर्डिंग प्वाइंट से मचान तक पर्यटकों को पहुंचाने के लिए वनविभाग की ओर से वाहनों की व्यवस्था भी की गई है. मेलघाट के क्षेत्रीय वनसंरक्षक ज्योति बैनर्जी, परतवाड़ा व सिपना के उपवन संरक्षक दिव्या भारती, गूगामल वन्यजीव विभाग के उपवन संरक्षक सुमंत सोलंके आदि के मार्गदर्शन में 16 मई की रात यह व्याघ्र गणना हो रही है.

नफरतों के बीच एक निकाह ऐसा भी

अचलपुर सुल्तानपुरा में हुआ हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक निकाह

इरशाद अहमद, 13 मई

अचलपुर– अचलपुर, परतवाड़ा जुड़वा शहर पर किसी न किसी वजह से काफी संवेदनशील का कलंक लगा हुआ है. लेकिन देखा जाये तो इसी शहर में भाईचारा सबसे बढ़कर है. इसका जीता-जागता उदाहरण यह है कि स्थानीय सुल्तानपुरा में एक मुस्लिम युवक-युवती की शादी सभी धर्मों के लोगों द्वारा की गई.

सुल्तानपुरा के सलीम शाह की बेटी सुमैया परवीन और पूर्णानगर के मुनाफ शाह के बेटे मुन्ना शाह का निकाह अचलपुर, परतवाड़ा के सर्वधार्मिक नागरिकों ने बड़े ही उत्साह के साथ संपन्न कार्रवाई. हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल हेल्पलाइन व सरमसपुरा पुलिस स्टेशन के शांतता समिति के सदस्यों ने इस शादी को तन-मन-धन से एक-दूसरे की मदद से सफल बनाया. इस शुभ अवसर पर उपविभागिय पुलिस अधिकारी अनूप कुमार नवगिरे, अचलपुर के थानेदार माधवराव गरुड़, सरमसपुरा की थानेदार सुलभा राऊत, परतवाड़ा के थानेदार संतोष ताले सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे. एकता के प्रतीक निकाह में भाजपा के गजानन कोल्हे, शिवसेना के माणिक देशपांडे, आरपीआई के किशोर मोहोड़, कांग्रेस के श्रीकांत झोड़पे सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे. इस अवसर पर किशोर हिरुलकर, जगदंबा विवर्स एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष रमाकांत शेरकर, हेल्पलाइन और मिल वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष राजेश खोलापुरे, उपाध्यक्ष शाहिदभाई, काशीकर, शाहकर, नीलेश तारे, शांति समिति के सदस्य निकेश दाभाड़े, कबीर हनफी, मनोज ठाकुर, घनश्याम बुंदेले, विजय पिंपलकर, पुरुषोत्तम लकड़े, फिरोजभाई, मूसा कलीम मास्टर, हाजी महिरुललाह भाई, अहमदभाई और अन्य ने कड़ी मेहनत की.

बडगुजर स्पोर्ट्स अकादमी के स्क्वैश खिलाड़ी राज्यस्तर पर चयनित

प्रतिनिधि, 13 मई

अमरावती- शहर के साई नगर स्थित बडगुजर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार सफलता हासिल की है. हाल ही स्थानीय विभागीय क्रीड़ा संकुल में जिला स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की ओर से ली गई 11, 13, 15, 17 व 19 वर्ष आयु समूह के लड़के, लड़कियों तथा पुरुष-महिला ग्रुप में एकल, डबल व संगीत प्रकार में जिला चयन टेस्ट लिया गया था. जिसमें बडगुजर स्पोर्टस् अकादमी के खिलाड़ियों का राज्यस्तरीय स्पर्धा के लिए चयन हुआ. चयनित खिलाड़ियों में 13 वर्ष आयु समूह में इंद्राशसिंह राकेश बडगुजर, 15 वर्ष में रुद्रांशसिंह राकेश बडगुजर, अवधुत प्रज्योत गुप्ते, 17 वर्ष में आदित्य प्रजापति, मानसी मेहरे व मयंक अजय बिजवे ने सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन कर अमरावती जिला टीम में अपना स्थान दर्ज किया है. खिलाड़ियों की सफलता पर बडगुजर अकादमी के चीफ पैट्रॉन विधायक रवि राणा, पैट्रॉन सांसद नवनीत राणा व अध्यक्ष माणिक नेमाड़े, उपाध्यक्ष डॉ. के.के. डेबनाथा, सचिव डॉ. राकेश बडगुजर, श्वेता बडगुजर, हेमंत जाधव, अध्यक्ष स्कैश रैकेट एसोसिएशन, प्रफुल्ल मेहता, मंगेश व्यवहारे, डॉ. मंगला धोरण, मनीष गोस्वामी, अशोक असोरिया ने अभिनंदन कर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी.

पक्षियों की प्यास बुझाने फातेमा ने तैयार किए कृत्रिम जल पात्र

पुण्य पाने की सही तरकीब

संवाददाता, 13 मई

रिद्धपुर- वैसे तो पुण्य पाने के लिए हम रोजमर्रा की जिंदगी में यह कोशिश करते हैं कि सुबह होते ही कुछ दान दिया जाए या भूखों को खाना खिलाया जाए, ताकि जिंदगी में आने वाली मुश्किलों से निजात मिल सके.

वहीं दूसरी ओर गर्मियों में प्राणियों और पक्षियों को पानी पिलाने के लिए कई लोग आगे आते हैं और अपने घरों की छत पर जल पात्र के साथ-साथ पक्षियों को खाने के लिए चावल और दानेदार अनाज अपने छतों पर फैला देते हैं. ताकि ये पक्षी दाना चुगकर पानी पी लें. वैसे इन दिनों शहर में पक्षियों की चहचहाहट कम नजर आती है. ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जाए तो बड़े वृक्षों की धड़ल्ले से चल रही कटाई से पक्षियों की कमी नजर आने लगी है.

वृक्ष कटाई से पक्षियों के बनाए हुए घोंसले व अंडे नष्ट होते जा रहे हैं. यही वजह है कि पक्षियों की संख्या अब कम होने लगी है.स्थानीय निवासी नगर परिषद उर्दू शाला चांदूर बाजार बाजार की छात्रा फातिमा शहजाद अख्तर ने रमजान के पवित्र महीने में अपने घर की छत पर कृत्रिम जल पात्र बनाए हैं. फातिमा सुबह से ही पक्षियों को दाना खिलाने के पश्चात बनाए गए सभी कृत्रिम जल पात्रों को दिन भर लबालब भरने में लगी रहती है.

पूछे जाने पर फातिमा ने बताया कि इस कार्य से ही सही पुण्य लाभ कमाया जा सकता है. इन पक्षियों को पानी पिलाने से सेहत पर अच्छा असर दिखाई देता है. इसीलिए मैं लगातार सभी जल पात्रों को पानी पिलाने में कोई कसर बाकी नहीं रखती. वहीं दूसरी ओर फातिमा ने कृत्रिम जल पात्रों के अलावा खेतों में इस्तेमाल होने वाले दवाइयों के खाली डिब्बों को काटकर खूबसूरत जल पात्र बनाये हैं, जिसे घरों में लटका दिया गया है. जल पात्रों का इस्तेमाल भी पक्षी खूब इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं. फातिमा के इस कार्य को खूब सराहा जा रहा है. इसी कार्य को लेकर उर्दू के मशहूर कवि मुनव्वर राना लिखते हैं-

'नए कमरों में अब चीजें पुरानी कौन रखता है. ॥
परिंदों के लिए शहरों में पानी कौन रखता है. ॥'

नांदगांव खंडेश्वर में भव्य शोभायात्रा के साथ पंचकल्याणक महोत्सव का आगाज

मुनिश्री प्रबलसागरजी महाराज का सानिध्य

संवाददाता, 13 मई

नांदगांव खंडेश्वर- बीते कई महीनों से प्रतीक्षित नांदगांव खंडेश्वर के लघु पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 13 मई को मुनिश्री प्रबलसागरजी महाराज के सानिध्य में प्रारंभ हुआ. धर्म नगरी नांदगांव खंडेश्वर में मुनिश्री का आगमन 8 मई हुआ. शुक्रवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकालकर बहु प्रतीक्षित नांदगांव खंडेश्वर पंचकल्याणक महोत्सव का आगाज हुआ है. सुबह 6 बजे शहर के इतिहास में पहली बार इतना भव्य-दिव्य जुलूस निकाला गया. श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से प्रारंभ हुआ जुलूस भगतसिंह चौक, बुधवारा चौक, आजाद चौक, ओंकारखेड़ा, बाजार चौक से होते हुआ जुलूस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का स्थल श्री क्षेत्र खंडेश्वर संस्थान पर पहुंचा. जुलूस में बैंड-बाजा, घोड़े, घोड़ा रथ, बग्गी के साथ भगवान के माता-पिता, इंद्र-इंद्राणी के साथ हजारों लोग शामिल हुए. उसके उपरांत महोत्सव का राजेश गुलालकरी के शुभ हाथों ध्वजारोहण संपन्न हुआ.

साथ ही कारंजा निवासी गणेश धुरावत परिवार द्वारा रिबिन काटकर पंडाल का उद्घाटन संपन्न कर त्रिदिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ हुआ. पश्चात ध्वजारोहण कर्ता व मंडप उद्घाटन कर्ता का आयोजकों ने शाल, श्रीफल देकर सम्मान किया. पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सौधर्म इंद्र-इंद्रायनी बने सुनील व सोनाली वाडेवाले, कुबेर इंद्र रवींद्र व मनीषा नाले, यज्ञनायक प्रसन्न व वैशाली, ईशान्य इंद्र अमोल व अंजली वारकरी, सनतकुमार इंद्र राहुल व विशाखा, माहेन्द्र इंद्र गुणवंत व हेमा चांदुरकर एवं भगवान के माता-पिता बने नानासाहब व नलिनी चांदुरकर.

बता दें कि अमरावती जिले के नांदगांव खंडेश्वर शहर में बीचोबीच प्राचीन मंदिर में अतिप्राचीन मूलनायक श्री पार्श्वनाथ स्वामी व आदिनाथ स्वामी ऐसी दो प्रतिमा है, जो कालरूप से जीर्ण हुई थी. इसलिए दोनों ही प्रतिमा पर सदलगा कर्नाटक के इंजीनियर संजय उदगांवे के द्वारा प्रतिमा वज्रलेप किया गया. अब इन दोनों ही प्रतिमा को पुनः स्थापित करने हेतु भव्य त्रिदिवसीय लगू पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया है. यह संपूर्ण कार्यक्रम प्राचीन श्री क्षेत्र खंडेश्वर मंदिर के सभागृह में संपन्न होने जा रहा है. इस महोत्सव में सभी तन-मन-धन से शामिल होकर पुण्य लाभ लें, ऐसा आवाहन सकल जैन समाज नांदगांव खंडेश्वर द्वारा किया गया है.

लब्बैक : अकोला के 135 हाजी बनेंगे 'रहमान के मेहमान'

ड्रॉ के जरिए हुआ चयन, सफर-ए-हज 2022 की पहली फेहरिस्त जारी

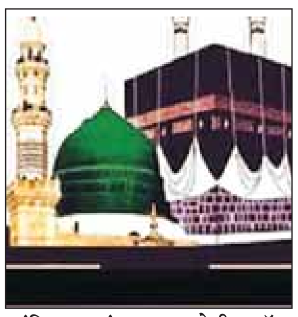

प्रतिनिधि, 13 मई

अकोला- अकोला के मुस्लिम घरानों में रमजान ईद की खुशियों का माहौल अभी भी बना हुआ है. इस बीच एक अच्छी खबर ने उन मुस्लिम परिवारों में ईद की खुशी में दोगुना इजाफा कर दिया है. वह ऐसा कि, अकोला के 135 मुस्लिमों को 'रहमान के मेहमान' बनने की सआदत नसीब हुई है. इस वर्ष सफर-ए-हज के लिए हाल ही में निकाले गए ड्रॉ के जरिए मुस्लिमों का सफर-ए-हज के लिए चयन हुआ है. राज्य हज कमेटी की ओर से अकोला के 135 मुस्लिम (महिला एवं पुरुष) की पहली फेहरिस्त जारी की गई है. मालूम हो कि हज कमेटी ऑफ इंडिया एवं हज कमेटी ऑफ महाराष्ट्र की ओर से सफर ए-हज इंतजाम किया जाता है. सन् 2020 के बाद से अब तक भारत से सफर-ए-हज की रवानगी पर पाबंदी थी. कोविड की पाबंदियों सहित शर्तों के निथिल होने के बाद हज कमेटी ऑफ इंडिया एवं हज कमेटी ऑफ महाराष्ट्र ने इस वर्ष सफर-ए-हज की तैयारी शुरू कर दी है. पहले चरण में अप्रैल महीने में ऑन तथा ऑफ लाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया को अंजाम दिया गया था. एक जानकारी के अनुसार आवेदन की पहली अंतिम तिथि 9 अप्रैल थी लेकिन उसके बाद तिथि को 22 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है. इस अवधि में अकोला के शहरी सहित ग्रामीण अंचलों से सफर-ए-हज की ख्वाहिश रखने वाले लगभग ढ़ाई सौ मुस्लिमों ने आवेदन किया था. हज कमेटी के ड्रा में लगभग 250 आवेदनकर्ताओं में से फिलहाल 135 मुस्लिमों को हरमैन-शरीफैन की जियारत करने की सआदत नसीब हुई है. इनके अलावा सैकड़ों मुस्लिम वेटिंग लिस्ट में हैं, जिनके कन्फर्म होने के बाद भावी हाजियों की तादाद बढ़ने से इन्कार नहीं किया जा सकता.

65 से अधिक उम्र के बुजुर्गों के 36 आवेदन रद्द

- सूत्रों की मानें तो अकोला से सफर ए-हज के आवेदनकर्ताओ में ऐसे बुजुर्ग आवेदनकर्ताओं का भी समावेश था जिनकी उम्र 65 साल से अधिक है.
- लगभग 250 आवेदनों में से 36 आवेदनों के रद्द होने की जानकारी है.
- बताया जा रहा है कि, कोविड को ध्यान में रखते हुए सऊदी हुकूमत ने उम्रदराज मुस्लिम महिला एवं पुरुषों के सफर-ए-हज की मनाही कर रखी है.

जिले के निजी टूर संचालक भी सजग

- जिले के कमोबेश पांच निजी टूर संचालक भावी हाजियों की खिदमत के लिए सजग हैं.
- एक जानकार के अनुसार पांचों निजी टूर्स संचालकों ने अपने हिस्से का कोटा हासिल करने के लिए सभी जरूरी दस्तावेजों की खानापूर्ति कर उन्हें विदेश मंत्रालय में भेज दिया है.
- माना जा रहा है कि, प्रत्येक निजी टूर संचालक को 50 हाजियों का कोटा मिल सकता है जिसके तहत अकोला के भावी हाजियों की तादाद में इजाफा होगा.

इन पर फर्ज है हज...

इस्लामी पांच सुतूनों (स्तंभों) में से एक सुतून हज भी है. हज उन्हीं पर फर्ज है, जो न केवल इस मुबारक सफर का खर्च बर्दाश्त कर सकें बल्कि उनके इस सफर से लौटने तक परिवार के अन्य सदस्य आर्थिक तंगी से परेशान न हों.

मेलघाट में तेंदूपत्ता संकलन शुरू

धारणी- मेलघाट में तेंदूपत्ता संकलन केंद्र शुरू किया गया है. जिसमें 100 तेंदू पत्तों के बंडल को 275 रुपए दाम मिल रहा है. साथ ही संकलन केंद्र द्वारा छह महीने के बाद 100 रुपए प्रति सैकड़ा के रूप में बोनस देने का निर्णय लिया है. जिससे मेलघाट के सैकड़ों आदिवासियों को रोजगार प्राप्त हुआ है. एक पखवाड़े में ही अधिक आय देने वाला तेंदूपत्ता संकलन कार्य है. 7 मई से मेलघाट के अधिकांश गांवों में तेंदूपत्ता तोड़ने के कार्य की शुरूआत हो गई है. दुर्गम व आदिवासी बहुल क्षेत्र में पेड़ों से पत्ते तोड़कर बंडल बनाए जाते है.

शुभ विवाह

श्रद्धा संग अमोल

धामणगांव रेलवे के प्रतिष्ठित नागरिक किशोरराव पहाड़े की सुपुत्री चि. सौ. कां. श्रद्धा का शुभविवाह अकोला के प्रतिष्ठित अरुणराव राऊत के सुपुत्र चि. अमोल के संग शुक्रवार, 13 मई को माहेश्वरी भवन, धामणगांव रेलवे में संपन्न हुआ.

नवदम्पति को 'प्रतिदिन अखबार' व 'वृत्त केसरी' की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं.